




## संस्तुति पत्र

मैं संस्तुति करता हूँ कि शिल्पा बापुराव नाळे द्वारा प्रस्तुत “नागार्जुन के खंडकाव्यों में चित्रित नारीजीवन” यह लघु-शोध-प्रबंध परीक्षणार्थ अंग्रेषित किया जाए।

स्थान :- कोल्हापुर

तिथि :- 31 JUL 2008

  
31/07/08  
(डॉ. पद्मा पाटील)

अध्यक्ष, हिंदी विभाग

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

**Head**

**Dept. of Hindi,**

**Shivaji University**

**Kolhapur-416004**

डॉ. राजेंद्र मोतीचंद शहा  
एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.  
प्राचार्य, मुधोजी महाविद्यालय,  
फलटण, जि. सातारा

## प्रमाणपत्र


मैं प्रमाणित करता हूँ कि शिल्पा बापुराव नाळे मेरे निर्देशन में हिंदी विषय में एम.फिल. कर रही है और उनके लघु शोध-प्रबंध का शीर्षक है -

“नागार्जुन के खंडकाव्यों में चित्रित नारी जीवन”

इनका लघु शोध-प्रबंध आधुनिक हिंदी पद्य साहित्य के अंतर्गत आता है।

स्थान :

तिथि :

  
शोध-निर्देशक  
(प्राचार्य डॉ. राजेंद्र शहा)

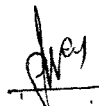
डॉ. राजेंद्र मोतीचंद शहा  
एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.  
प्राचार्य, मुधोजी महाविद्यालय,  
फलटण, जि. सातारा

## प्रमाणपत्र

मैं प्रमाणित करता हूँ कि शिल्पा बापुराव नाळे ने मेरे निर्देशन में “नागार्जुन के खंडकाव्यों में चित्रित नारीजीवन” यह लघु शोध-प्रबंध शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर की एम.फिल. (हिंदी) उपाधि के लिए बड़े परिश्रम के साथ पूरा किया है। इसमें शोधछात्रा ने मेरे सुझावों का पूर्णतः पालन किया है। जो तथ्य इस लघु शोध-प्रबंध में प्रस्तुत किए गए हैं, मेरी जानकारी के अनुसार सही हैं। शोधछात्रा के कार्य से मैं पूर्णतः संतुष्ट हूँ।

स्थान :

तिथि :

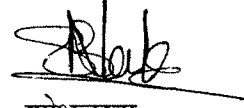
  
शोध-निर्देशक  
(प्राचार्य डॉ. राजेंद्र शहा)

## प्रख्यापन

मैं प्रख्यापित करती हूँ कि 'नागार्जुन के खंडकाव्यों में चित्रित नारीजीवन' यह लघु शोध-प्रबंध मेरी मौलिक रचना है, जो एम.फिल. (हिंदी) उपाधि हेतु प्रस्तुत की जा रही है। यह कृति इससे पहले शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर तथा अन्य किसी विश्वविद्यालय की उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गई है।

स्थान : कोल्हापुर

तिथि :



शोधछात्रा

(शिल्पा बापुराव नाळे)